छत्तीसगढ़ के कार्यकर्त्ता को मिलेगा ग्रीन नोबेल

चर्चा में क्यों?

छत्तीसगढ़ के पर्यावरण कार्यकर्त्ता और [छत्तीसगढ़ बचाओ आंदोलन (CBA)]() के संयोजक **आलोक शुक्ला** को प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार [गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार 2024]() के लिये चुना गया है, जिसे **ग्रीन नोबेल** भी कहा जाता है।

मुख्य बिंदु:

- उन्हें पर्यावरण की रक्षा के लिये उनके संघर्षों और पहलों के लिये चुना गया है, जिसमें मध्य भारत के सबसे सघन वनों में से एक **हसदेव अरण्य** भी शामिल है, जो 170,000 हेक्टेयर तक फैला हुआ है, जिसमें **23 कोयला ब्लॉक** हैं। उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका में सम्मानित किया जाएगा।
- उन्होंने आदिवासी बहुल राज्य छत्तीसगढ़ में 21 नियोजित कोयला खदानों से**445,000 एकड़ जैवविविधता से समृद्ध वनों को बचाने के लिये अडानी खनन** के खिलाफ अभियान चलाने के लिये **स्वदेशी समुदायों** और कोयला खनन से प्रभावित लोगों को सफलतापूर्वक अभियान चलाया तथा संगठित किया।
  - वर्ष 2009 में, पर्यावरण मंत्रालय ने हसदेव अरण्य को उसके समृद्ध वन क्षेत्र के कारण खनन के लिये **"नो-गो"** क्षेत्र के रूप में अधिसूचित किया, लेकिन इसे खनन हेतु फिर से खोल दिया। हसदेव अरण्य को खनन मुक्त बनाने के लिये CBA ने लगातार संघर्ष किया।

हसदेव अरण्य वन

- **छत्तीसगढ़ के उत्तरी भाग में फैला हुआ** हसदेव अरण्य वन क्षेत्र अपनी **जैवविविधता और कोयला भंडार के लिये जाना जाता है।**
- यह वन क्षेत्र महत्त्वपूर्ण आदिवासी आबादी वाले ज़िलों **कोरबा, सुजापुर और सरगुजा** के अंतर्गत आता है।
- [महानदी]() की सहायक **नदी हसदेव** यहाँ से प्रवाहित होती है।
- हसदेव अरण्य मध्य भारत का सबसे बड़ा अखंडित वन है जिसमें **प्राचीन साल (शोरिया रोबस्टा) और सागौन के वन** शामिल हैं।
- यह एक **प्रसिद्ध प्रवासी गलियारा** है, जिसमें **हाथियों की महत्त्वपूर्ण उपस्थिति** है।

[//]()

ग्रीन नोबेल पुरस्कार

- **गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार** (जिसे **ग्रीन नोबेल पुरस्कार** के रूप में भी जाना जाता है) अक्सर बड़े व्यक्तिगत जोखिम पर**प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा** और संवर्द्धन हेतु निरंतर तथा महत्त्वपूर्ण प्रयासों के लिये व्यक्तियों को मान्यता देता है।
- यह **वर्ष 1990 से गोल्डमैन एनवायरनमेंटल फाउंडेशन** द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है।
- यह विश्व के छह महाद्वीपीय क्षेत्रों के लोगों का सम्मान करता है:**अफ्रीका, एशिया, यूरोप, द्वीप एवं द्वीप राष्ट्र, उत्तरी अमेरिका और दक्षिण एवं मध्य अमेरिका।**
- गोल्डमैन पुरस्कार **"ज़मीनी स्तर" के नेताओं** को स्थानीय प्रयासों में शामिल लोगों के रूप में देखता है, जहाँ उन्हें प्रभावित करने वाले मुद्दों में समुदाय या नागरिक की भागीदारी के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन किया जाता है।
- गोल्डमैन पुरस्कार प्राप्तकर्त्ता सामान्यतः पृथक् गाँवों या सुदूर शहरों के लोग होते हैं जो पर्यावरण की सुरक्षा के लिये बड़े व्यक्तिगत जोखिम उठाना चुनते हैं।
- **विजेताओं की घोषणा पृथ्वी दिवस पर की जाती है जो प्रत्येक वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chhattisgarh-activist-to-receive-green-nobel